सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
मेरठ

माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण
एवं
कृषि विज्ञान केन्द्र सम्भल, बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास
(वीडियों कान्फ्रेंसिंग द्वारा)

शुक्रवार, दिनांक 25 सितम्बर, 2020 पूर्वान्ह 10:30 बजे

संक्षिप्त विवरण

आज दिनांक 25.09.2020 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्राद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण एवं कृषि विज्ञान केन्द्र सम्भल, बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास वीडियों कान्फ्रेंसिंग द्वारा मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ जी, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री सूर्य प्रताप शाही, मा0 मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ0प्र0; श्री सुरेश खन्ना जी, मा0 वित्त मंत्री, उ0प्र0; श्री लाखन सिंह राजपूत, मा0 राज्यमंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ0प्र0; श्री राजेन्द्र अग्रवाल, मा0 सांसद, मेरठ–हापुड़ लोकसभा; डा0 भोला सिंह, मा0 सांसद, बुलन्दशहर लोकसभा; श्रीमति गुलाबो देवी, मा0 राज्यमंत्री, माध्यमिक शिक्षा, उ0प्र0; श्री विजयपाल आढ़ती, मा0 विधायक, हापुड़ सदर; श्री अजीत कुमार, मा0 विधायक, गुन्नौर; श्री राजेश कुमार सिंह, मा0 विधायक, कॉठ; श्री रीतेश कुमार गुप्ता, मा0 विधायक, मुरादनगर; श्रीमति (डा0) अनीता लोधी राजपूत, मा0 विधायक, डिबाई; मुख्य सचिव श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी; सभी सम्बन्धित अपर मुख्य सचिव; पुलिस महानिदेशक; डा0 ऐ0के0 सिंह, उप महानिदेशक, कृषि प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; डा0 आर0के0 मित्तल, कुलपति, स0व0प0 कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ एवं डा0 देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ0प्र0 की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री सूर्यप्रताप शाही, मा0 कृषि मंत्री द्वारा समस्त प्रतिभागियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए प्रदेश में चल रही विभिन्न शोध एवं प्रसार गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया गया तथा बताया गया कि कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़, सम्भल, बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद की स्थापना से इन जनपदों के लगभग 10,39,746 कृषक परिवारों, जोकि कुल जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत है एवं कृषि व्यवसाय पर आधारित है तथा चारो जनपदों के 40 ब्लॉक एवं 4100 गॉव में निवासरत है, को कृषि की उन्नत तकनीकी के विषय में ट्रेनिंग, प्रदर्शनों तथा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में जारी की गयी नयी योजनाओं का ज्ञान मिल सकेगा।

तत्पश्चात माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा चार कृषि विज्ञान केन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इसके उपरान्त माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विभाग को कृषि संबंधित अच्छे कार्यो को आगे बढाने के लिये बधाई देता हूँ तथा समस्त कृषक भाईयों का अभिनंदन करता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा बताया गया कि प्रदेश में वर्ष 2017 में जब हमारी सरकार बनी तो प्रदेश में मात्र 68 कृषि विज्ञान केन्द्र थे जोकि बदहाल स्थिति में थे। प्रदेश सरकार द्वारा इनको सुधारा गया तथा केन्द्र सरकार से 20 और नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की स्वीकृति करायी गयी।

उन्होनें बताया कि कृषि के क्षेत्र में इन चारों कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना से कृषकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की बहुत बड़ी भूमिका होगी। हमारा किसान एकप्रगतिशील किसान है तथा वह नये अनुसंधान चाहता है, नये तौर–तरीको से खेती को बढ़ाना चाहता है लेकिन उस समय उसके सामने चुनौतियॉ होती है। उसे इन चुनौतियों को कौन बतायेगा। आज मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि हम प्रत्येक जनपद में एक–एक नये के0वी0के0 और बड़े जनपदों में दो नये के0वी0के0 स्थापना की दिशा में आगे बढे है। विगत तीन वर्षो के दौरान के0वी0के0 स्थापना की नई श्रंखला ने कृषकों को आधुनिक तकनीक एवं उच्च गुणवत्तायुक्त उन्नत बीज उपलब्ध कराने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य देशवासियों के सामने रखा गया है। इसी श्रंखला में उनके द्वारा फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति किसान को प्राप्त हो रहा है। इसके साथ इस बात पर भी जोर दिया गया है कि हर एक किसान को किसान सम्मान विकास निधि से जोड़कर किसान की उपज को किसी भी प्रकार के टैक्स से मुक्त करने की कार्यवाही हो। एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का जो शुभारम्भ हुआ है हम सभी आभारी है माननीय प्रधानमंत्री जी के जिनके द्वारा कृषि क्षेत्र में इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ हुई जो कि किसानों के व्यापक हित में है। अब किसान One Nation-One Market के इस नये युग की ओर जा रहा है, जहॉ वह कही भी अपनी उपज की बिक्री करने के लिये स्वतंत्र है। साथ–साथ शासन उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी दे रहा है। हमें इस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढाना ही है एवं वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुनी करने के लिये कृषि क्षेत्र में हो रहे बदलाव को खुले दिलो–दिमाग से प्रयास करना होगा। इस बारे में ध्यान रखना होगा कि किसान तकनीक को अपनाने में किसी भी प्रकार से पीछे न रहे। हमें तकनीक को युद्धस्तर पर बढाना है, हमें कृषि विविधिकरण को भी बढाना होगा, साथ ही साथ हमें अपने को नये बदलाव के लिये तैयार रहना होगा। हमें किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहना है। प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालय एवं सभी के0वी0के0 इस दिशा में बेहतर प्रयास कर सकेगें, ये मुझे पूरी उम्मीद है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोरोना काल में प्रदेश के कृषि क्षेत्र में अति सराहनीय कार्य हुआ है। कोरोना काल में 119 चीनी मिले संचालित रही तथा 200 के आस–पास केशर जो कि खांडसारी उद्योग से जुडे हुये है को लाईसेंस प्रदान किये गये। वर्षो से चली आ रही किसानों की मांग को पूरा किया गया तथा गन्ने का रिकार्ड भुगतान 1 लाख 5000 करोड़ से अधिक का किया गया। इस अवसर पर मैं समस्त किसानों को आश्वस्त करता हूॅ कि केन्द्र सरकार द्वारा जो नये कृषि बिल पास किये गये है, वह पूर्णतः किसानों के हित में है तथा प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य देना सुनिश्चित करेगी। अन्त में, मैं चारों जनपद के कृषकों, कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को बधाई देता हूॅ।

कार्यक्रम के अंत में डा0 देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव (कृषि), उ0प्र0 के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा संबंधित समस्त उपस्थित अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।